



Mr.chandan kumat



Ms.shital

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119444401

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/02/1997 :	जन्म तिथि	: 26/10/1998
शुक्रवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 19:55:00 :	जन्म समय	: 08:25:00 घंटे
घटी 33:31:51 :	जन्म समय(घटी)	: 06:15:59 घटी
India :	देश	: India
Latehar :	स्थान	: Ramgarh
23:45:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:37:00 उत्तर
84:30:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:32:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:08:00 :	स्थानिक संस्कार	: 00:12:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:30:15 :	सूर्योदय	: 05:50:20
17:42:17 :	सूर्यास्त	: 17:13:17
23:49:02 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:15
सिंह :	लग्न	: वृश्चिक
सूर्य :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
मकर :	राशि	: धनु
शनि :	राशि-स्वामी	: गुरु
धनिष्ठा :	नक्षत्र	: मूल
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
1 :	चरण	: 4
वरियान :	योग	: अतिगण्ड
नाग :	करण	: कौलव
गा-गगन :	जन्म नामाक्षर	: भी-भीनी
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
वैश्य :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: मानव
सिंह :	योनि	: श्वान
राक्षस :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मार्जार :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 3मा 24दि
गुरु

03/06/2021

03/06/2037

गुरु	22/07/2023
शनि	01/02/2026
बुध	09/05/2028
केतु	15/04/2029
शुक्र	15/12/2031
सूर्य	02/10/2032
चन्द्र	01/02/2034
मंगल	08/01/2035
राहु	03/06/2037

अंश

25:39:48
25:02:37
24:38:06
12:05:24
03:50:20
10:09:20
11:42:41
10:25:19
05:30:10
05:30:10
11:37:38
04:25:09
11:32:29

राशि

सिंह
मक
मक
कन्या व
मक
मक
मक
मीन
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृश्चि
तुला
धनु
सिंह
तुला
कुंभ
तुला
मेष
सिंह
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

अंश

11:50:40
08:39:06
11:10:56
17:24:49
27:10:05
24:53:52
07:36:53
06:08:06
05:11:22
05:11:22
14:59:41
05:36:20
12:45:56

विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 1मा 16दि
सूर्य

12/12/2019

12/12/2025

सूर्य	31/03/2020
चन्द्र	30/09/2020
मंगल	04/02/2021
राहु	30/12/2021
गुरु	18/10/2022
शनि	30/09/2023
बुध	06/08/2024
केतु	12/12/2024
शुक्र	12/12/2025

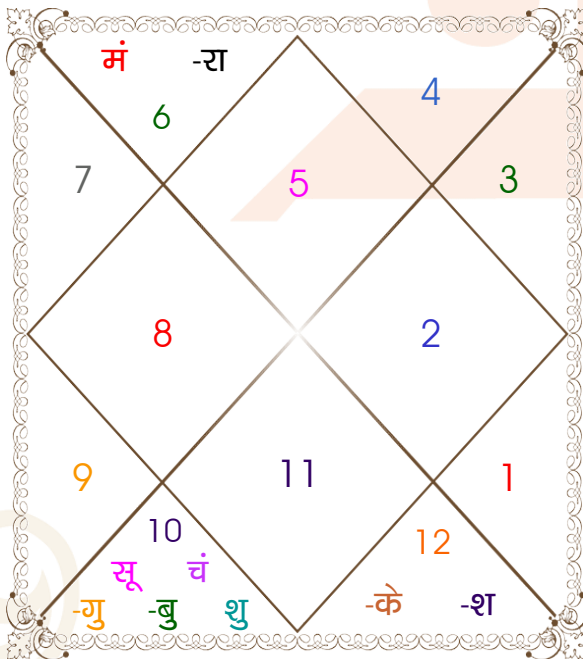
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

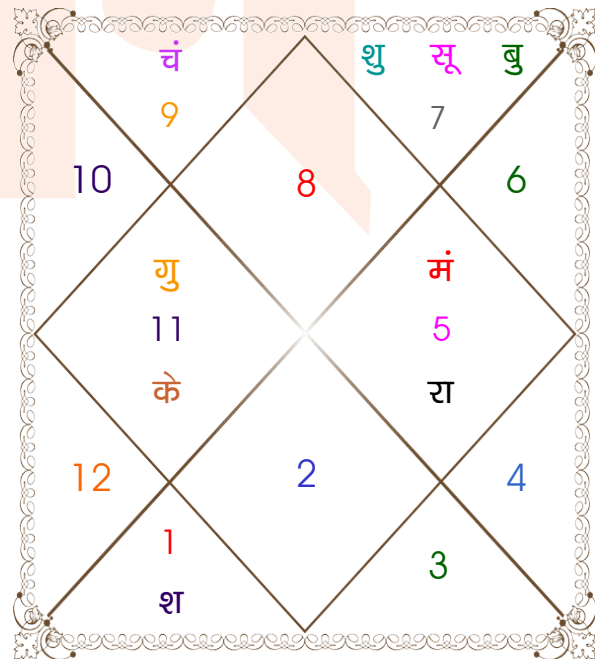
राहु : स्पष्ट

23:49:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:15

लग्न-चलित



लग्न-चलित



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

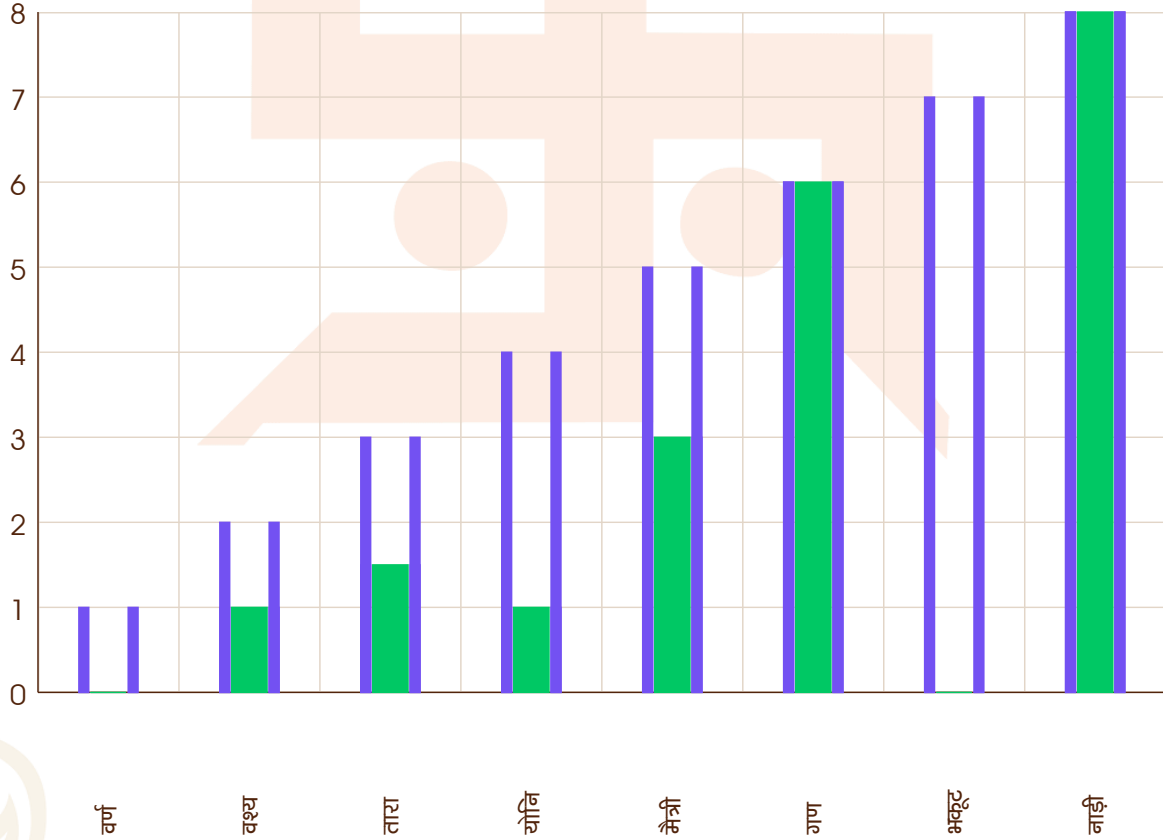
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

20.50

कुल : 20.5 / 36



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतर्णीदकंदानउंज का वर्ग मार्जार है तथा डेणैपजंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णीदकंदानउंज और डेणैपजंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णीदकंदानउंज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेणैपजंस मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

डतर्णीदकंदानउंज तथा डेणैपजंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्बीदकंदानउंज का वर्ण वैश्य है तथा डेणैपजंस का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि डेणैपजंस का वर्ण डतण्बीदकंदानउंज के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप डेणैपजंस अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। डेणैपजंस को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

डतण्बीदकंदानउंज का वश्य जलचर है एवं डेणैपजंस का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में डेणैपजंस अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि डतण्बीदकंदानउंज उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

डतण्बीदकंदानउंज की तारा प्रत्यरि तथा डेणैपजंस की तारा साधक है। डतण्बीदकंदानउंज की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत डतण्बीदकंदानउंज कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप डेणैपजंस को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

डतण्बीदकंदानउंज की योनि सिंह है तथा डेणैपजंस की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में इतर्णीदकंद इनंज एवं डेणैपजंस दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

इतर्णीदकंद इनंज का गण राक्षस है तथा डेणैपजंस का गण भी राक्षस है। अर्थात् डेणैपजंस का गण इतर्णीदकंद इनंज के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण इतर्णीदकंद इनंज एवं डेणैपजंस दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

इतर्णीदकंद इनंज से डेणैपजंस की राशि द्वादश भाव में स्थित है डेणैपजंस से इतर्णीदकंद इनंज की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में इतर्णीदकंद इनंज परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु डेणैपजंस का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। डेणैपजंस की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही डेणैपजंस तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

इतर्णीदकंद इनंज की नाड़ी मध्य है तथा डेणैपजंस की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह

मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र

लाइन तलाव रांची झारखंड

9835195382

9835195382

मेलापक फलित

स्वभाव

इतर्ण्बीदकंदानउंज की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा डेणैपजंस की राशि अग्नितत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसर्गिक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

इतर्ण्बीदकंदानउंज की राशि का स्वामी शनि तथा डेणैपजंस की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इतर्ण्बीदकंदानउंज और डेणैपजंस दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

इतर्ण्बीदकंदानउंज और डेणैपजंस की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदि इतर्ण्बीदकंदानउंज और डेणैपजंस बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

इतर्ण्बीदकंदानउंज का वश्य जलचर तथा डेणैपजंस का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी असमानता होगी। अतः कामसंबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य संबंधों में कटुता रहेगी।

इतर्ण्बीदकंदानउंज का वर्ण वैश्य तथा डेणैपजंस का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इतर्ण्बीदकंदानउंज की प्रवृत्ति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु डेणैपजंस प्रायः परिश्रमी कार्यों को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

धन

इतर्ण्बीदकंदानउंज और डेणैपजंस दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। इतर्ण्बीदकंदानउंज और डेणैपजंस दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की

बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से इतर्णीदकंद इनंज की प्रवृत्ति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि इतर्णीदकंद इनंज को ऐसी प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

इतर्णीदकंद इनंज की नाड़ी मध्य तथा डेणैपजंस की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से इतर्णीदकंद इनंज और डेणैपजंस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त इतर्णीदकंद इनंज और डेणैपजंस के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेणैपजंस के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेणैपजंस को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेणैपजंस को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से इतर्णीदकंद इनंज और डेणैपजंस सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार इतर्णीदकंद इनंज और डेणैपजंस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेणैपजंस के अपने सास से संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही डेणैपजंस सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृत्ति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्द्विता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि डेणैपजंस किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबंधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी डेणैपजंस को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण डेणैपजंस के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

इतर्णीदकंदानंज की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर इतर्णीदकंदानंज सप्तलीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन इतर्णीदकंदानंज ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का इतर्णीदकंदानंज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।